UTKARSH CLASSES

For Session 2022-23

RBSE

भूगोल

CLASS-XII

मॉडल पेपर्स

सॉल्यूशन सहित

RBSE द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम व ब्लूप्रिंट पर आधारित नवीनतम मॉडल पेपर

भूगोल (14)

MODEL PAPER (RBSE) 5

कक्षा-XII

समय : 3 घंटे 15 मिनट | पूर्णांक : 56

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश:

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यत: लिखें।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
5. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।
6. प्रश्नों का अंक भार निम्नानुसार है।

खण्ड	प्रश्न की संख्या	प्रश्नों की संख्या	अंक प्रत्येक प्रश्न	कुल अंक भार
खण्ड- अ (A)	1 (i to ix) 2 (i to iv) 3 (i to iv)	17	1	17
खण्ड- ब (B)	4 से 15	12	1½	18
खण्ड- स (C)	16 से 18	3	3	9
खण्ड- द (D)	19 से 20	2	4	8
खण्ड- य (E)	21 से 22	2	2	4

7. प्रश्न क्रमांक 21 से 22 मानचित्र कार्य से संबंधित हैं और प्रत्येक 2 अंक का है।
8. भारत एवं विश्व के उपलब्ध कराये गये रेखा मानचित्रों को उत्तर पुस्तिका के साथ नत्थी करें।

खण्ड–अ

1. वस्तुनिष्ठ प्रश्न-

(i) भारत में उच्चतम व न्यूनतम साक्षरता दर वाले राज्यों को पहचानें- [1]

(अ) केरल - बिहार (ब) केरल – राजस्थान
(स) मिजोरम - बिहार (द) मिजोरम – राजस्थान

(ii) जल क्रान्ति अभियान का मुख्य उद्देश्य है- [1]

(अ) जल प्रदूषण को समाप्त करना।
(ब) देश की नदियों को जोड़ना।
(स) प्रति व्यक्ति जल की उपलब्धता सुनिश्चित करना।
(द) राज्यों के जल सम्बंधित विवादों का निवारण करना।

(iii) इंदिरा गाँधी नहर कब प्रारम्भ हुई? [1]

(अ) मई, 1956 (ब) मार्च, 1958
(स) मार्च, 1959 (द) मई, 1953

(iv) अम्लीय वर्षा किस प्रकार के प्रदूषण का परिणाम है- [1]

(अ) जल (ब) वायु
(स) भूमि (द) ध्वनि

(v) जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाला भौतिक कारक नहीं है- [1]

(अ) भू-आकृति (ब) जलवायु
(स) मृदा (द) खनिज

(vi) आयु लिंग संरचना को प्रदर्शित करने के लिए प्रयोग किया जाता है- [1]

(अ) जनसंख्या मानचित्र का (ब) जनसंख्या पिरामिड का
(स) जनसंख्या दण्डारेख का (द) जनसंख्या भित्ति चित्र का

(vii) निम्न में से कौनसा सुमेलित नहीं है? [1]

देश	स्थानान्तरित कृषि का उपनाम
(अ) भारत	- झूमिंग
(ब) मैक्सिको	- मिल्पा
(स) इंडोनेशिया	- लदांग
(द) रूस	- स्टेपीज

(viii) फुटकर व्यापार में वृहत् स्तर पर सबसे पहले नवाचार लाने वाले समुदाय थे- [1]

(अ) उपभोक्ता सहकारी (ब) विभागीय भंडार
(स) श्रृंखला भंडार (द) इंटरनेट व्यापार

(ix) सड़कों व महामार्गों की लम्बाई, घनत्व तथा कुल वाहनों की संख्या में अग्रणी महाद्वीप है- [1]

(अ) यूरोप (ब) उत्तरी अमेरिका
(स) एशिया (द) दक्षिणी अमेरिका

Utkarsh Classes & Edutech Pvt. Ltd.

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-

(i) नदी पर पुल व फेरी के दोनों ओर ..... प्रतिरूप बनता है। [1]

(ii) ..... देश ने सकल राष्ट्रीय प्रसन्नता (G.N.H.) को अपनी प्रगति का आधिकारिक माप घोषित किया है। [1]
भूटान

(iii) मानवतावादी विचारधारा लोगों के ..... कल्याण से जुड़ी हुई है। [1]

(iv) स्टील ऑथरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (SAIL) की स्थापना सन् ..... में हुई। [1]

3. अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न-

(i) भारत में एक वर्ष में वर्षण से प्राप्त कुल जल की मात्रा कितनी है? [1]

(ii) ध्वनि प्रदूषण के कोई दो स्त्रोत लिखिए। [1]

(iii) नवनिश्चयवाद संकल्पना का एक अन्य नाम क्या है? [1]

(iv) 'ट्रक कृषि' से आप क्या समझते है? [1]

खण्ड - ब

लघूत्तरात्मक प्रश्न-

4. 'टी' आकार, 'वाई' आकार एवं 'क्रॉस' आकार की बस्तियाँ कहाँ विकसित होती हैं? [1½]

5. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार हेतु पत्तनों द्वारा प्रदत्त विशिष्ट सेवाएँ बताइए। [1½]

6. ऐतिहासिक रूप से विश्व व्यापार की दिशा में आये तीन परिवर्तन बताइए। [1½]

7. आधुनिक मालवाहक एवं यात्री जहाजों की दो विशेषताएँ लिखिए। [1½]

8. संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा प्रयुक्त मानव विकास मापन के दो महत्त्वपूर्ण सूचकों पर टिप्पणी लिखिए। [1½]

9. जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले किन्हीं तीन भौतिक (भौगोलिक) कारकों की विवेचना कीजिए। [1½]

10. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार में वायु परिवहन की भूमिका समझाइए। [1½]

11. प्रादेशिक नियोजन से क्या तात्पर्य है? [1½]

12. भारत में लौह-अयस्क के दो प्रमुख राज्यों का उल्लेख कीजिए। [1½]

13. भारत के 'आधुनिक नगरों' के बारे में बताइए। [1½]

14. भारत में राज्य स्तर पर प्रवास में स्थानिक विभिन्नता की व्याख्या कीजिए। [1½]

15. भारत में दो प्रमुख भाषाई परिवारों पर टिप्पणी लिखिए। [1½]

खण्ड-स

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न-

16. निम्नलिखित औद्योगिक प्रदेशों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए- [1½+1½=3]
(i) गुजरात
(ii) छोटा नागपुर प्रदेश

17. भारत में सड़क परिवहन की वर्तमान स्थिति को स्पष्ट करते हुए राष्ट्रीय महामार्गों का वर्णन कीजिए। [3]

18. पंचम क्रियाओं से आप क्या समझते है? इनका वर्णन कीजिए। [3]

खण्ड - द

निबन्धात्मक प्रश्न–

19. विनिर्माण से क्या आशय है? आधुनिक बड़े पैमाने पर होने वाले विनिर्माण की तीन विशेषताओं की विवेचना कीजिए। [4]

अथवा

उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करने वाले निम्नलिखित कारकों की विवेचना कीजिए:- [1x4=4]
(i) बाजार
(ii) कच्चा माल
(iii) सरकारी नीति
(iv) परिवहन एवं संचार सुविधा

20. भारत में किसानों के लिए भू-संसाधनों के महत्व को समझाते हुए इससे जुड़ी समस्याओं व उपायों का विश्लेषण कीजिए। [4]

अथवा

भारत में गेहूँ एवं मक्का की कृषि का वर्णन कीजिए।

खण्ड - य

21. दिए गए भारत के मानचित्र में निम्न बॉक्साइट उत्पादक क्षेत्रों को दर्शाइए- [½x4=2]
(अ) कटनी
(ब) अमरकंटक
(स) मैकाल पहाड़ी
(द) बिलासपुर

22. दिए गए विश्व के मानचित्र में निम्न भूमध्यसागरीय कृषि क्षेत्रों को दर्शाइए- [½x4=2]
(अ) कैलीफोर्निया
(ब) मध्यवर्ती चिली
(स) उतरी अफ्रीका
(द) दक्षिणी पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया

उत्तरमाला – 05

खण्ड - अ

1.

(i) **[अ]**
भारत में उच्चतम साक्षरता दर वाला राज्य केरल है जहाँ पर कुल साक्षरता 93.91 प्रतिशत है, वहीं न्यूनतम साक्षरता दर, बिहार राज्य (63.82%) की है।

(ii) **[स]**
2015-16 में भारत सरकार द्वारा प्रारम्भ किए गए जल क्रान्ति अभियान का मुख्य उद्देश्य देश में प्रति व्यक्ति जल की उपलब्धता को सुनिश्चत करना है।

(iii) **[ब]**
इन्दिरा गाँधी नहर परियोजना 31 मार्च, 1958 को प्रारम्भ हुई। राजस्थान के थार मरूस्थल में बहने वाली इस नहर की कुल नियोजित लम्बाई 9060 किमी. है।

(iv) **[ब]**
अम्लीय वर्षा वायु प्रदूषण का परिणाम है। नगरीय क्षेत्रों में जीवाश्म ईंधन के अत्यधिक दहन से वायु मण्डल में कार्बन-डाई-ऑक्साईड का सांद्रण बढ़ जाता है। यह गैस जल के साथ प्रतिक्रिया करके कार्बनिक एसिड बनाती है, इसी कारण पहली वर्षा अम्लीय होती है।

(v) **[द]**
जनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले भौतिक (भौगोलिक) कारकों में मुख्य रूप से भू-आकृति, जलवायु, मृदा एवं जल को सम्मिलित किया जाता हैं, जबकि खनिज एक आर्थिक कारक है।

(vi) **[ब]**
जनसंख्या पिरामिड का प्रयोग जनसंख्या की आयु-लिंग संरचना को दर्शाने के लिए किया जाता है। इस पिरामिड की आकृति जनसंख्या की विशेषताओं को परिलक्षित करती है।

(vii) **[द]**
स्थानान्तरित कृषि को विश्व के विभिन्न प्रदेशों में अलग- अलग नामों से जाना जाता है। भारत के उत्तरी पूर्वी भागों में इसे झूमिंग, मैक्सिको में मिल्पा व इंडोनेशिया में लदांग कहा जाता हैं। जबकि स्टेपीज रूस में घास-मैदानों को कहा जाता है।

(viii) **[अ]**
फुटकर व्यापार में वृहत् स्तर पर सबसे पहले नवाचार लाने वाले समुदाय उपभोक्ता सहकारी थे।

(ix) **[ब]**
सड़कों व महामार्गों की लम्बाई, घनत्व तथा कुल वाहनों की संख्या में सबसे अग्रणी महाद्वीप उत्तरी अमेरिका है।

2.

(i) दोहरा
(ii) भूटान
(iii) सामाजिक
(iv) 1973

3.

(i) भारत में एक वर्ष में वर्षण से प्राप्त कुल जल की मात्रा 4000 घन कि.मी. है।

(ii) यातायात के साधन और औद्योगिक प्रक्रम ध्वनि प्रदूषण के दो मुख्य स्रोत हैं।

(iii) नवनिश्चयवाद संकल्पना का एक अन्य नाम 'रुको और जाओ निश्चयवाद' है।

(iv) जिन प्रदेशों में कृषक केवल सब्जियाँ पैदा करता है वहाँ उद्यान कृषि को 'ट्रक कृषि' का नाम दिया जाता है।

खण्ड - ब

4. **'टी' आकार-** ये बस्तियाँ सड़क के तिराहे पर विकसित होती हैं।
'वाई' आकार- ये बस्तियाँ उन क्षेत्रों में पाई जाती हैं जहाँ पर दो मार्ग आकर तीसरे मार्ग से मिलते हैं।
'क्रॉस' आकार- ये बस्तियाँ चौराहों पर प्रारंभ होती हैं जहाँ चौराहे से चारों दिशा में बसाव आरंभ हो जाता है।

5. **अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार हेतु पत्तनों द्वारा प्रदत्त विशिष्ट सेवाएँ-** पत्तन जहाज़ के लिए गोदी, लादने, उतारने तथा भंडारण हेतु सुविधाएँ प्रदान करते हैं। इन सुविधाओं को प्रदान करने के उद्देश्य से पत्तन के प्राधिकारी नौगम्य द्वारों का रख-रखाव, रस्सों व बजरों (छोटी अतिरिक्त नौकाएँ) की व्यवस्था करने और श्रम एवं प्रबंधकीय सेवाओं को उपलब्ध कराने की व्यवस्था करते हैं।

6. **ऐतिहासिक रूप से विश्व व्यापार की दिशा में आये तीन परिवर्तन-**
(i) प्राचीन काल में व्यापारी एशिया (भारतीय, ईरानी व चीनी सभ्यताओं) से निर्मित माल को यूरोप (रोम) में विक्रय करने हेतु रेशम मार्ग का प्रयोग करते थे।
(ii) औद्योगिक क्रांति के पश्चात् औद्योगीकृत राष्ट्रों ने कच्चे माल के रूप में प्राथमिक उत्पादों का आयात किया और मूल्यपरक तैयार माल को वापस अनौद्योगीकृत राष्ट्रों को निर्यात कर दिया।
(iii) 19वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में, प्राथमिक वस्तुओं का महत्त्व नहीं रहा और औद्योगिक राष्ट्र एक दूसरे के मुख्य ग्राहक बन गए।

7. आधुनिक यात्री जहाज़ और मालवाहक पोत राडार, बेतार के तार व अन्य नौपरिवहन संबंधी सुविधाओं से लैस होते हैं।

- शीघ्र नाशवान वस्तुओं के लिए प्रशीतन कोष्ठक, टैंकरों और विशेषीकृत जहाज़ों ने नौभार के परिवहन को उन्नत बना दिया है। कंटेनरों के प्रयोग ने विश्व की प्रमुख पत्तनों पर नौभार के निपटान को सरल बना दिया है।

8.

- **स्वास्थ्य सूचक-** स्वास्थ्य का मूल्यांकन करने के लिए चुना गया सूचक जन्म के समय जीवन-प्रत्याशा है। उच्चतर जीवन-प्रत्याशा का अर्थ है कि लोगों के पास अधिक दीर्घ और अधिक स्वस्थ जीवन जीने के ज्यादा अवसर हैं।
- **शिक्षा सूचक-** प्रौढ़ साक्षरता दर और सकल नामांकन अनुपात ज्ञान तक पहुँच को प्रदर्शित करते हैं। पढ़ और लिख सकने वाले वयस्कों की संख्या और विद्यालयों में नामांकित बच्चों की संख्या दर्शाती है कि किसी देश विशेष में ज्ञान तक पहुँच कितनी आसान अथवा कठिन है।

Utkarsh Classes & Edutech Pvt. Ltd.

9. **(i) भू-आकृति-** समतल भूमि, उपजाऊ मृदा, कृषि योग्य भूमि, उद्योगों का विकास, परिवहन तथा संचार साधनों की उपलब्धता के कारण मैदानी क्षेत्रों में अधिक जनसंख्या निवास करती है।
(ii) जलवायु- विश्व में सर्वाधिक जनसंख्या शीतोष्ण जलवायु, समजलवायु, मानसूनी जलवायु क्षेत्र में निवास करती है।
(iii) जल की उपलब्धता- विश्व में जल उपलब्धता वाले क्षेत्र जैसे नदी घाटी, समुद्र तटीय क्षेत्रों में अधिक जनसंख्या निवास करती है।

10. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में वायु परिवहन एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इन्हें लंबी दूरी वाले, उच्च मूल्य वाले या नाशवान सामानों को कम से कम समय में ले जाने व निपटाने के लिए लाभ प्राप्त होते हैं। यह भारी और स्थूल वस्तुओं के वहन करने के लिए बहुत महँगा और अनुपयुक्त होता है। यही कारण अंततः अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में महासागरीय मार्गों की तुलना में इस क्षेत्र की भागीदारी को घटा देता है।

11. **प्रादेशिक नियोजन-** किसी भी देश में सभी क्षेत्रों में एक समान आर्थिक विकास नहीं हुआ। कुछ क्षेत्र बहुत अधिक विकसित हैं तो कुछ पिछड़े हुए हैं। विकास का यह असमान प्रतिरूप सुनिश्चित करता है कि नियोजक एक स्थानिक परिप्रेक्ष्य अपनाएँ तथा विकास में प्रादेशिक असंतुलन कम करने के लिए योजना बनाएँ। इस प्रकार के नियोजन को प्रादेशिक नियोजन कहा जाता है।

12. **(i) ओडिशा-** ओडिशा में लौह अयस्क सुंदरगढ़, मयूरभंज, केन्दूझार स्थित पहाड़ी श्रृंखलाओं में पाया जाता है। यहाँ की महत्त्वपूर्ण खदानें- गुरुमहिसानी, सुलाएपत, बादामपहाड़ (मयूरभंज) किरुबुरू (केंदूझार) तथा बोनाई (सुंदरगढ़) हैं।
(ii) झारखंड- झारखंड की ऐसी ही पहाड़ी श्रृंखलाओं में कुछ सबसे पुरानी लौह अयस्क की खदानें हैं तथा अधिकतर लौह एवं इस्पात संयंत्र इनके आसपास ही स्थित हैं। नोआमंडी और गुआ जैसी अधिकतर महत्त्वपूर्ण खदानें पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूमि जिलों में स्थित हैं।

13. **भारत के 'आधुनिक नगर'-** अंग्रेज़ों और अन्य यूरोपियों ने भारत में अनेक नगरों का विकास किया। अंग्रेज़ों ने बाद में तीन मुख्य नोडों मुंबई (बंबई), चेन्नई (मद्रास) और कोलकाता (कलकत्ता) पर अपनी पकड़ मज़बूत की और उनका अंग्रेज़ी शैली में निर्माण किया। 1850 के बाद आधुनिक उद्योगों पर आधारित नगरों का भी जन्म हुआ। जमशेदपुर इसका एक उदाहरण है। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात्, अनेक प्रशासनिक नगर जैसे- चंडीगढ़, भुवनेश्वर, गांधीनगर, दिसपुर इत्यादि विकसित हुए।

14. **प्रवास में स्थानिक विभिन्नता-**

- महाराष्ट्र, दिल्ली, गुजरात और हरियाणा जैसे राज्य उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान इत्यादि जैसे अन्य राज्यों से प्रवासियों को आकर्षित करते हैं।
- प्रवासियों में महाराष्ट्र का सूची में प्रथम स्थान है, इसके बाद दिल्ली, गुजरात और हरियाणा आते हैं।
- दूसरी ओर उत्तर प्रदेश और बिहार वे राज्य हैं जहाँ से उत्प्रवासियों की संख्या सर्वाधिक है।

15. **भारतीय-यूरोपीय-** यह भाषाई परिवार सम्पूर्ण भारत में सर्वाधिक (73 प्रतिशत) प्रयोग में लिया जाने वाला समूह है। इसका उपयोग जम्मू और कश्मीर, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, मध्य प्रदेश, बिहार, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, असम, गुजरात, महाराष्ट्र, गोआ आदि राज्यों में होता है।
द्रविड़- तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, उड़ीसा, महाराष्ट्र, बिहार, उड़ीसा आदि राज्य इस भाषाई परिवार के अन्तर्गत आते हैं। पूरे भारत में लगभग 20 प्रतिशत लोग द्रविड़ भाषाओं का प्रयोग करते हैं।

खण्ड-स

16. **औद्योगिक प्रदेश-**
(i) गुजरात-
विस्तार- दक्षिण में वलसाद व सूरत तक और पश्चिम में जामनगर तक।
प्रमुख केन्द्र- अहमदाबाद और वडोदरा।
मुख्य उद्योग- कपड़ा और पेट्रो-रासायनिक उद्योगों के अतिरिक्त अन्य उद्योग- भारी उद्योग, रासायनिक, मोटर, ट्रैक्टर, डीज़ल इंजन, टेक्सटाइल उद्योग इत्यादि।
अन्य केन्द्र- इस प्रदेश के अन्य महत्त्वपूर्ण औद्योगिक केंद्र भरूच, कोयली, आनंद, खेरा, सुरेंद्रनगर, राजकोट, सूरत, वलसाद और जामनगर हैं।
(ii) छोटा नागपुर प्रदेश-
विस्तार- झारखंड, उत्तरी ओडिशा और पश्चिमी पश्चिम बंगाल तक।
प्रमुख केन्द्र- बोकारो और जमशेदपुर।
मुख्य उद्योग- भारी धातु उद्योगों के लिए जाना जाता है। भारी इंजीनियरिंग, मशीन-औजार, उर्वरक, सीमेंट, कागज़, रेल इंजन और भारी विद्युत उद्योग इस प्रदेश के कुछ महत्त्वपूर्ण उद्योग हैं।
अन्य केन्द्र- राँची, धनबाद, चैबासा, सिंदरी, हज़ारीबाग, राउरकेला, दुर्गापुर, आसनसोल और डालमियानगर अन्य महत्त्वपूर्ण केंद्र हैं।

17. **भारत में सड़क परिवहन की वर्तमान स्थिति-** भारत का सड़क जाल विश्व का दूसरा सबसे बड़ा सड़क-जाल है। इसकी कुल लंबाई लगभग 62.16 लाख कि.मी. है। यहाँ प्रतिवर्ष सड़कों द्वारा लगभग 85 प्रतिशत यात्री तथा 70 प्रतिशत भार यातायात का परिवहन किया जाता है।
राष्ट्रीय महामार्ग- वे प्रमुख सड़कें, जिन्हें केंद्र सरकार द्वारा निर्मित एवं अनुरक्षित किया जाता है, राष्ट्रीय महामार्ग के नाम से जानी जाती हैं। ये महामार्ग राज्यों की राजधानियों, प्रमुख नगरों, महत्त्वपूर्ण पत्तनों तथा रेलवे जंक्शनों को भी जोड़ते हैं। राष्ट्रीय महामार्गों की लंबाई 1951 में 19,700 कि.मी. से बढ़कर, 2020 में 1,36,440 कि.मी. हो गई है। राष्ट्रीय महामार्गों की लंबाई पूरे देश की कुल सड़कों की लंबाई की मात्र 2 प्रतिशत है; किंतु ये सड़क यातायात के 40 प्रतिशत भाग का वहन करते हैं।

18. **पंचम क्रियाकलाप-** उच्चतम स्तर के निर्णय लेने तथा नीतियों का निर्माण करने वाले पंचम क्रियाकलापों को निभाते हैं। इनमें

क्रियाओं और ज्ञान आधारित क्रियाओं, जो सामान्यतः चतुर्थ सेक्टर से जुड़ी होती हैं, में सूक्ष्म अंतर होता है।
पंचम क्रियाकलाप वे सेवाएँ हैं जो नवीन एवं वर्तमान विचारों की रचना, उनके पुनर्गठन और व्याख्या; आँकड़ों की व्याख्या और प्रयोग तथा नई प्रौद्योगिकी के मूल्यांकन पर केंद्रित होती हैं। प्रायः 'स्वर्ण कॉलर' कहे जाने वाले ये व्यवसाय तृतीयक सेक्टर का एक और उप-विभाग हैं जो वरिष्ठ व्यावसायिक कार्यकारियों, सरकारी अधिकारियों, अनुसंधान वैज्ञानिकों, वित्त एवं विधि परामर्शदाताओं इत्यादि की विशेष और उच्च वेतन वाली कुशलताओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्नत अर्थव्यवस्थाओं की संरचना में उनका महत्त्व उनकी संख्या से कहीं अधिक होता है।

खण्ड - द

19. विनिर्माण की परिभाषा- विनिर्माण का शाब्दिक अर्थ है 'हाथ से बनाना'। इसमें यंत्रों द्वारा बनाया गया सामान भी सम्मिलित किया जाता है। इसमें कच्चे माल को स्थानीय या दूरस्थ बाज़ार में बेचने के लिए ऊँचे मूल्य के तैयार माल में परिवर्तित कर दिया जाता है। विनिर्माण से आशय किसी भी वस्तु का उत्पादन है। हस्तशिल्प कार्य से लेकर लोहे व इस्पात को गढ़ना, प्लास्टिक के खिलौने, अति सूक्ष्म घटकों को जोड़ना एवं अंतरिक्ष यान निर्माण बनाना आदि सभी प्रकार के उत्पादन को विनिर्माण के अंतर्गत ही माना जाता है।

आधुनिक बड़े पैमाने पर होने वाले विनिर्माण की तीन विशेषताएँ-

(i) प्रौद्योगिकीय नवाचार- प्रौद्योगिक नवाचार आधुनिक बड़े पैमाने पर होने वाले विनिर्माण की महत्त्वपूर्ण विशेषता है। प्रौद्योगिक नवाचार का अनुप्रयोग, शोध एवं विकासमान युक्तियों के द्वारा विनिर्माण की गुणवत्ता को नियंत्रित करना, अपशिष्टों के निस्तारण, अदक्षता को समाप्त करना, प्रदूषण के विरुद्ध संघर्ष करना आदि।

(ii) अनियमित भौगोलिक वितरण- आधुनिक निर्माण के मुख्य संकेंद्रण कुछ ही स्थानों में सीमित हैं। विश्व के कुल स्थलीय भाग के 10 प्रतिशत से कम भू-भाग पर इनका विस्तार है। यह देश आर्थिक एवं राजनीतिक शक्ति के केंद्र बन गए हैं। कुल क्षेत्र को आच्छादित करने की दृष्टि से विनिर्माण स्थल, प्रक्रियाओं की अत्यधिक गहनता के कारण बहुत कम स्पष्ट तथा कृषि की अपेक्षा बहुत छोटे क्षेत्रों में संकेंद्रित हैं।

(iii) संगठनात्मक ढांचा एवं स्तरीकरण- एक जटिल प्रोद्यौगिकी तंत्र, अत्यधिक विशिष्टीकरण एवं श्रम विभाजन के द्वारा कम प्रयास एवं अल्प लागत से अधिक माल का उत्पादन करना, अधिक पूँजी, बड़े संगठन एवं प्रशासकीय अधिकारी-वर्ग इत्यादि आधुनिक निर्माण की विशेषताएँ हैं।

अथवा

उद्योगों की अवस्थिति को प्रभावित करने वाले कारक-

(i) बाजार- उद्योगों की स्थापना में सबसे प्रमुख कारक उसके द्वारा उत्पादित माल के लिए उपलब्ध बाज़ार का होना है। बाज़ार से तात्पर्य उस क्षेत्र में तैयार वस्तुओं की माँग एवं वहाँ के निवासियों में खरीदने की क्षमता (क्रय शक्ति) है। दूरस्थ क्षेत्र जहाँ कम जनसंख्या निवास करती है छोटे बाज़ारों से युक्त होते हैं। उदाहरण- यूरोप, उत्तरी अमेरिका, जापान एवं आस्ट्रेलिया के क्षेत्र वृहद् वैश्विक बाज़ार हैं, क्योंकि इन प्रदेशों के लोगों की क्रय क्षमता अधिक है।

(ii) कच्चा माल- उद्योग के लिए कच्चा माल अपेक्षाकृत सस्ता एवं सरलता से परिवहन योग्य होना चाहिए। भारी वजन, सस्ते मूल्य एवं वजन घटने वाले पदार्थों (अयस्क) पर आधारित उद्योग कच्चे माल के स्रोत स्थल के समीप ही स्थित हैं। उदाहरण- इस्पात, चीनी एवं सीमेंट उद्योग।

(iii) सरकारी नीति- संतुलित आर्थिक विकास हेतु सरकार प्रादेशिक नीति अपनाती है जिसके अंतर्गत विशिष्ट क्षेत्रों में उद्योगों की स्थापना की जाती है। उदाहरण- वर्तमान समय में भारत सरकार पिछड़े क्षेत्रों में स्थापित उद्योग-धंधों को अनेक प्रकार के प्रोत्साहन देती है।

(iv) परिवहन एवं संचार सुविधा- कच्चे माल को कारखाने तक लाने के लिए और परिष्कृत सामग्री को बाज़ार तक पहुँचने के लिए तीव्र और सक्षम परिवहन सुविधाएँ औद्योगिक विकास के लिए अत्यावश्यक हैं। आधुनिक उद्योग अपृथक्करणीय ढंग से परिवहन तंत्र से जुड़े हैं। परिवहनीयता में सुधार समाकलित आर्थिक विकास और विनिर्माण की प्रादेशिक विशिष्टता को बढ़ाता है। उद्योगों हेतु सूचनाओं के आदान-प्रदान एवं प्रबंधन के लिए संचार की भी महत्त्वपूर्ण आवश्यकता होती है। परिवहन लागत किसी औद्योगिक इकाई की अवस्थिति को निश्चित करने में महत्त्वपूर्ण कारक है। उदाहरण- पश्चिमी यूरोप एवं उत्तरी अमेरिका के पूर्वी भागों में अत्यधिक परिवहन तंत्र विकसित होने के कारण सदैव इन क्षेत्रों में उद्योगों का संकेंद्रण हुआ है।

20. भारत में किसानों के लिए भू-संसाधनों के महत्व- भू-संसाधनों का महत्व उन लोगों के लिए अधिक है जिनकी आजीविका कृषि पर निर्भर हैं। ये महत्व निम्नलिखित है-

- **कृषि पूर्णतया भूमि आधारित-** द्वितीयक व तृतीयक आर्थिक क्रियाओं की अपेक्षा कृषि पूर्णतया भूमि पर आधारित है। अन्य शब्दों में, कृषि उत्पादन में भूमि का योगदान अन्य सेक्टरों में इसके योगदान से अधिक है। अतः ग्रामीण क्षेत्रों में भूमिहीनता प्रत्यक्ष रूप से वहाँ की गरीबी से संबंधित है।
- **भूमि की गुणवत्ता-** भूमि की गुणवत्ता कृषि उत्पादकता को प्रभावित करती है जो अन्य कार्यों में नहीं है। यदि भूमि की गुणवत्ता अधिक है तो कृषि उत्पादकता भी अधिक होगी।
- **भू-स्वामित्व का मूल्य-** ग्रामीण क्षेत्रों में भू-स्वामित्व का आर्थिक मूल्य के अतिरिक्त सामाजिक मूल्य भी है। प्राकृतिक आपदाओं या निजी विपत्ति में एक सुरक्षा की भाँति है एवं समाज में प्रतिष्ठा बढ़ाता है।

भू-संसाधन से जुड़ी समस्याएँ-

समस्त कृषि भूमि संसाधनों का अनुमान (अर्थात समस्त कृषि योग्य भूमि) निवल बोया गया क्षेत्र तथा सभी प्रकार की परती भूमि और कृषि योग्य व्यर्थ भूमियों के योग से लगाया जा सकता है। पिछले वर्षों में समस्त रिपोर्टिंग क्षेत्र से कृषि भूमि का प्रतिशत कम हुआ है। कृषि योग्य व्यर्थ भूमि संवर्ग में कमी के बावजूद कृषि योग्य भूमि में कमी आई है।

समाधान-

भारत में निवल बोए गए क्षेत्र में बढ़ोतरी की संभावनाएँ सीमित हैं। अत: **भूमि बचत प्रौद्योगिकी** विकसित करना आज अत्यंत आवश्यक है। **यह प्रौद्योगिकी दो भागों में बाँटी जा सकती हैं-**

(i) पहली, वह जो प्रति इकाई भूमि में फ़सल विशेष की उत्पादकता बढ़ाएँ।

(ii) दूसरी, वह प्रौद्योगिकी जो एक कृषि वर्ष में गहन भू-उपयोग से सभी फ़सलों का उत्पादन बढ़ाएँ।

अथवा

- **गेहूँ-**

महत्त्वपूर्ण विशेषताएँ- भारत में चावल के पश्चात् गेहूँ दूसरा प्रमुख अनाज है। यह मुख्यत: शीतोष्ण कटिबंधीय फ़सल है। अत: इसे शरद् ऋतु में बोया जाता है। इस फ़सल का 85 प्रतिशत क्षेत्र भारत के उत्तरी मध्य भाग तक केंद्रित है अर्थात् उत्तर गंगा का मैदान, मालवा पठार तथा हिमालय पर्वतीय श्रेणी में 2700 मीटर ऊँचाई तक का क्षेत्र है। रबी फ़सल होने के कारण यह सिंचाई की सुविधा वाले क्षेत्रों में ही उगाया जाता है।

प्रमुख उत्पादन क्षेत्र- भारत विश्व का 12.8 प्रतिशत गेहूँ उत्पादन करता है (2017)। देश के कुल बोये क्षेत्र के लगभग 14 प्रतिशत भाग पर गेहूँ की कृषि की जाती है। गेहूँ के प्रमुख उत्पादक राज्य उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, पंजाब, हरियाणा तथा राजस्थान हैं। पंजाब व हरियाणा में गेहूँ की उत्पादकता अधिक है। उत्तर प्रदेश, राजस्थान व बिहार में प्रति हेक्टेयर पैदावार मध्यम स्तर की है। मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश तथा जम्मू-कश्मीर में गेहूँ की कृषि वर्षा आधारित है तथा उत्पादकता कम है।

- **मक्का-**

महत्त्वपूर्ण विशेषताएँ- मक्का एक खाद्य तथा चारा फ़सल है जो निम्न कोटि मिट्टी व अर्धशुष्क जलवायवी परिस्थितियों में उगाई जाती है। मक्का की कृषि किसी विशेष क्षेत्र में केंद्रित नहीं हैं। यह पूर्वी तथा उत्तर पूर्वी भारत को छोड़कर देश के लगभग सभी हिस्सों में बोई जाती है। अन्य मोटे अनाजों की अपेक्षा इसकी पैदावार अधिक है। इसकी पैदावार दक्षिण राज्यों में अधिक है जो मध्य भागों की ओर कम होती जाती है।

प्रमुख उत्पादन क्षेत्र- यह फ़सल कुल बोये क्षेत्र के केवल 3.6 प्रतिशत भाग में बोई जाती है। मक्का के प्रमुख उत्पादक राज्य कर्नाटक, मध्य प्रदेश, बिहार, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, राजस्थान व उत्तर प्रदेश हैं।

खण्ड - य

21.

22.

#अब कामयाबी पर होगा सबका हक़

UTKARSH CLASSES | CLASS 6-12

Smart e-Learning Programme

उत्कर्ष एप से घर बैठे कीजिए ऑनलाइन ट्यूशन और बनिए क्लास में टॉपर

उत्कर्ष एप में गुणवत्तामूलक स्कूली शिक्षा के ऑनलाइन कोर्सेस नाममात्र के शुल्क में उपलब्ध

QR Code Scan
कर आज ही
'उत्कर्ष एप'
डाउनलोड करें

Academic Session 2022-23

Class VI-VIII	~~₹10,000~~	₹1999	CBSE | RBSE & Other 7 State Boards
Class IX-X	~~₹15,000~~	₹2999	
Class XI-XII	~~₹18,000~~	₹3499	

₹1200/- per subject Live	₹600/- per subject Recorded

Class XI-XII
(Science, Commerce & Arts)

• **LIVE & Recorded Classes** • **English & Hindi Medium**

आज से ही बनाएँ अपनी पढ़ाई को और बेहतर
Utkarsh Online Tuition के साथ

उत्कर्ष एप ही क्यों ?

- विख्यात व अनुभवी विषय-विशेषज्ञों की टीम
- फैकल्टी द्वारा हस्तलिखित पैनल PDF & e-Notes
- नियमित टेस्ट द्वारा मूल्यांकन (MCQs & Self Assessment)
- टॉपिकवाइज़ क्विज़ एवं उनका वीडियो व्याख्यान
- Live Poll during interactive classes.
- 4K डिजिटल पैनल पर इंटरैक्टिव कक्षाएँ
- 360° Rapid Revision.

15 M+ SUBSCRIBERS
2 M+ SUBSCRIBERS
10 M+ DOWNLOADS
1 M+ FOLLOWERS

UTKARSH CLASSES

www.utkarsh.com support@utkarsh.com